

S.H. RAZA

101, RUE DE CHARONNE

2, CITÉ DU COUVENT

75011 PARIS

TÉL. 370-97-64

गोरवियो - 3 जुलाई 1970.

प्रिय पीरजी.

शनिवार 28 जून को "कान्य" में चित्र कला प्रदर्शनी के उद्घाटन में आपके नये चित्र देखने का अवसर मिला। घर लौट कर मैंने सोचा कि इस हर्ष को, पत्र लिख कर आप तक पहुंचा सकूँ।

इस साल प्रदर्शनी में, भारत को बहुत श्रद्धा स्थापित हो गयी है। एक बड़े हाल में सुन्दर दो वॉरों पर आपके 3 चित्र और शान्ति के 8 चित्र लगे हैं। काफी लोगों ने इनकी प्रशंसा की। मैं इस संस्था के सालों से जानता हूँ, क्योंकि एक हर साल दक्षिणी फ्रांस में - गोरवियो जो एक मध्ययुगीन दोरा हा गांव है - रहते हैं और काम करते हैं। फ्रांस की सेवा के बाद आप शान्ति में लौट आते हैं।

मेरी स्मृतियाँ अमिट हैं। 1962 में जब हम अहमदाबाद आये थे और आपसे मिले। आपका स्नेह अभी भी हमारे मन में संचित है। एक गांव का कार्ड, और एक फोटो मेरे स्कूलों की मेज पर हैं। आप देखेंगे कि आपके सुन्दर चित्रों का अभी भी मौजूद है और परदेश में अपना निर्गुण वातावरण बनाने में सहायक है।

बहुत व्यस्त रहा हूँ। फिर भी ये दो शब्द बहुत स्नेह के साथ। जानिये कि आप सबको बहुत याद करती हूँ। मध्य प्रदेश से लौट कर मैं हिन्दी में ही पत्र लिखता हूँ। आशा है - आप तक पहुंच सकेंगे और आप अपना सजाया देंगे। आपको, ईश्वर को, सभी को, और सब मित्रों को मेरा नमस्कार।

आपका शिष्या -

रजा